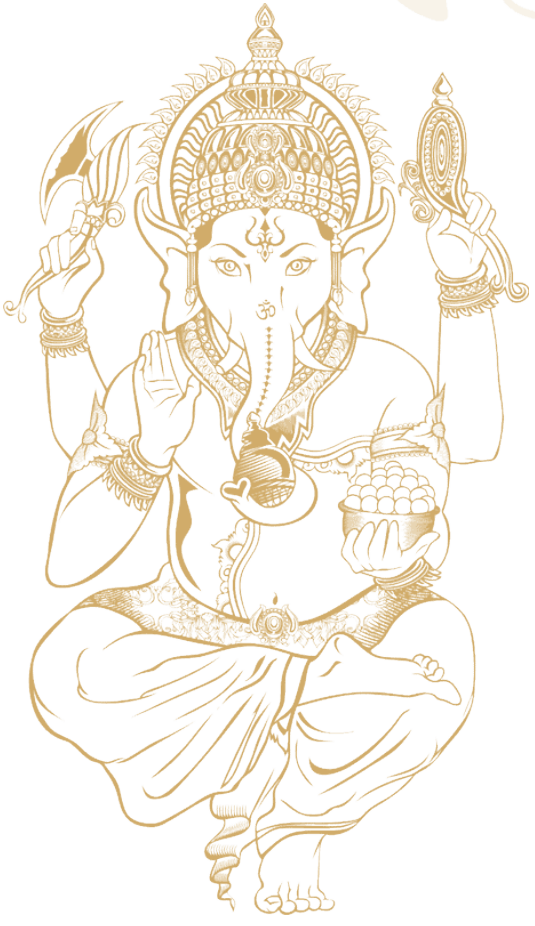

# Mr.vikas

# Ms.namita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119480302

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 19-20/12/1991 | जन्म तिथि | 14-15/03/1993 |
| गुरु-शुक्रवार | दिन | रवि-सोमवार |
| घंटे 04:44:00 | जन्म समय | 02:32:00 घंटे |
| घटी 54:17:19 | जन्म समय(घटी) | 49:48:24 घटी |
| India | देश | India |
| Indore | स्थान | Dewas |
| 22:42:00 उत्तर | अक्षांश | 22:59:00 उत्तर |
| 75:54:00 पूर्व | रेखांश | 76:03:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:26:24 | स्थानिक संस्कार | -00:25:48 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 07:01:04 | सूर्योदय | 06:36:05 |
| 17:45:28 | सूर्यास्त | 18:34:21 |
| 23:44:58 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:46:01 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चन्द्र 7वर्ष 4मा 20दि | | 02:34:33 | वृश्चि | लग्न | धनु | 18:53:07 | बुध 3वर्ष 10मा 23दि | |
| गुरु | | 03:48:18 | धनु | सूर्य | मीन | 00:31:34 | सूर्य | |
| 10/05/2024 | | 13:28:46 | वृष | चंद्र | वृश्चि | 26:56:36 | 06/02/2024 | |
| 10/05/2040 | | 21:14:41 | वृश्चि | मंगल | मिथु | 19:00:37 | 05/02/2030 | |
| गुरु | 28/06/2026 | 14:20:20 | वृश्चि | बुध व | कुंभ | 19:31:51 | सूर्य | 25/05/2024 |
| शनि | 09/01/2029 | 20:41:15 | सिंह | गुरु व | कन्या | 17:59:18 | चन्द्र | 24/11/2024 |
| बुध | 17/04/2031 | 22:17:02 | तुला | शुक्र व | मीन | 26:00:27 | मंगल | 01/04/2025 |
| केतु | 23/03/2032 | 10:48:39 | मक | शनि | कुंभ | 01:03:11 | राहु | 24/02/2026 |
| शुक्र | 22/11/2034 | 16:06:11 | धनु व | राहु | वृश्चि | 22:19:44 | गुरु | 13/12/2026 |
| सूर्य | 10/09/2035 | 16:06:11 | मिथु व | केतु | वृष | 22:19:44 | शनि | 25/11/2027 |
| चन्द्र | 09/01/2037 | 19:13:16 | धनु | हर्ष | धनु | 27:40:25 | बुध | 30/09/2028 |
| मंगल | 16/12/2037 | 22:01:11 | धनु | नेप | धनु | 26:58:12 | केतु | 05/02/2029 |
| राहु | 10/05/2040 | 27:57:14 | तुला | प्लूटो व | वृश्चि | 01:40:47 | शुक्र | 05/02/2030 |

## लग्न-चलित

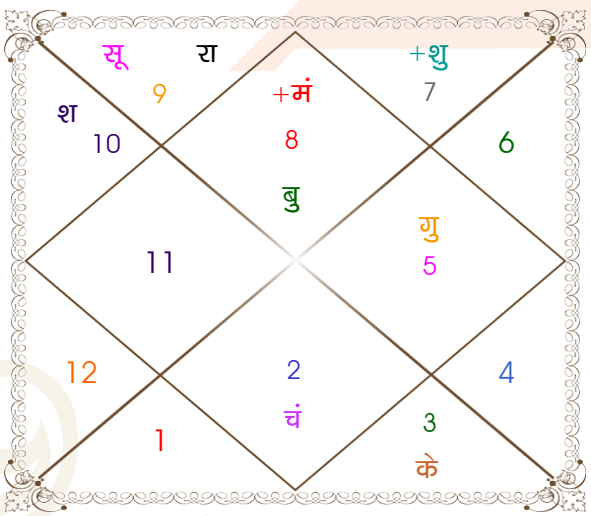


## लग्न-चलित

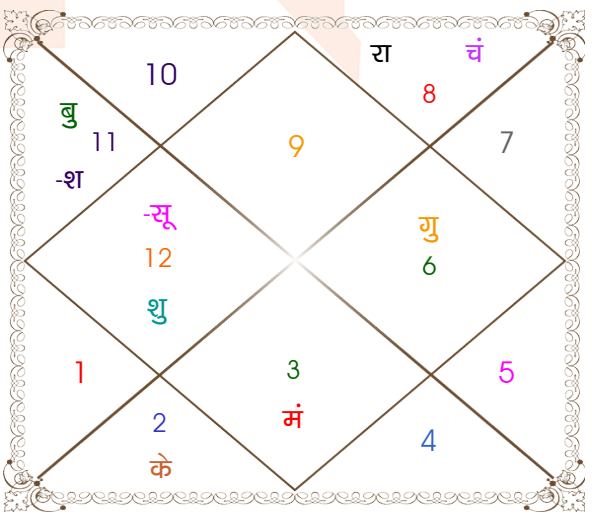

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | कीटक | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | प्रत्यारि | साधक | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | सर्प | मृग | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शुक्र | मंगल | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | राक्षस | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | वृष | वृश्चिक | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 22.50 | | |

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr.vikas का वर्ग मृग है तथा डेण्दंउपजं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.vikas और डेण्दंउपजं का मिलान शुभ है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr.vikas मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.vikas कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्दंउपजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण्दंउपजं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.vikas कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.vikas तथा डेण्दंउपजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।